राजस्थान बोर्ड

कक्षा-12 | जीव विज्ञान



अध्याय - २। मानव जनन

PART-05

1.	आर्तव चक्र की शुरुआत किस अवस्था से होती है?
	A. पुटकीय प्रावस्था
	B. स्रावी प्रावस्था

C. ऋतुस्त्राव (रजोधर्म) D. अंडोत्सर्ग

व्याख्या: आर्तव चक्र की शुरुआत ऋतुस्त्राव से होती है, जो 3 से 5 दिनों तक रक्तस्राव की प्रक्रिया होती है।

- आर्तव चक्र सामान्यतः कितने दिनों का होता है?
 - A. 7 दिन
 - B. 14 दिन
 - C. 21 दिन
 - D. 28 दिन

(D) व्याख्या: एक सामान्य आर्तव चक्र लगभग २८ दिनों का होता है.

जिसमें विभिन्न हार्मोनल और जैविक परिवर्तन होते हैं।

- आर्तव चक्र के मध्य में कौन-सी प्रक्रिया होती है?
 - A. निषेचन
 - B. अंडोत्सर्ग
 - C. रजोधर्म
 - D. रजोनिवृत्ति

(B)

व्याख्या : आर्तव चक्र के लगभग 14वें दिन अंडोत्सर्ग की प्रक्रिया होती है, जिसमें परिपक्व अंडाणू अंडाशय से मुक्त होता है।

- 4. रजोनिवृत्ति (Menopause) किसे कहा जाता है?
 - A. प्रथम रजोधर्म
 - B. मासिक धर्म का अंत
 - C. अंडोत्सर्ग की शुरुआत
 - D. गर्भधारण की प्रक्रिया

व्याख्या: लगभग ५० वर्ष की आयु में जब मासिक धर्म बंद हो जाता है, तो उसे रजोनिवृत्ति कहा जाता है।

- अंडोत्सर्ग के पश्चात ग्राफियन पुटक का अवशेष क्या बनता है?
 - A. कॉर्पस ल्युटियम
 - B. कॉर्पस ऐलबिकैंस
 - C. जोना पेल्यूसिडा
 - D. ऐंट्रम (A)

व्याख्या: अंडोत्सर्ग के बाद ग्राफियन पुटक का अवशेष कॉर्पस ल्यूटियम में बदल जाता है, जो प्रोजेस्टेरोन हार्मोन का स्रवण करता है।

- 6. FSH और LH हार्मोन किस ग्रंथि से स्नावित होते हैं?
 - A. थायरॉयड ग्रंथि
 - B. अधिवृक्क ग्रंथि
 - C. पीयूष ग्रंथि
 - D. अग्न्याशय (C)

व्याख्या: FSH (फॉलिकल स्टिमुलेटिंग हार्मोन) और LH (ल्यूटिनाइजिंग हार्मोन) पीयूष ग्रंथि से स्रावित होते हैं, जो अंडाशय की क्रियाओं को नियंत्रित करते हैं।

- 7. आर्तव चक्र के मध्य में कौन-सा हार्मोन उच्चतम स्तर पर होता है?
 - A. एस्त्रोजन
 - B. प्रोजेस्टेरोन
 - C. FSH

D. LH

व्याख्या: आर्तव चक्र के 14वें दिन LH हार्मोन का स्तर सबसे अधिक होता है, जो अंडोत्सर्ग को प्रेरित करता है।

- 8. यदि निषेचन नहीं होता है तो कॉर्प<mark>स</mark> ल्यूटियम का क्या होता है?
 - A. यह स्थायी रूप से सक्रिय रहता है
 - B. यह कॉर्पस ऐलबिकैंस में परिवर्तित हो जाता है
 - C. यह अधिक हार्मोन बनाने लगता है
 - D. यह बढने लगता है

व्याख्या: निषेचन न होने पर कॉर्पस ल्यूटियम का क्षय होकर यह कॉर्पस ऐलबिकैंस में बदल जाता है और नया आर्तव चक्र आरंभ होता है।

- आर्तव चक्र की पुटकीय प्रावस्था में कौन-सा हार्मोन प्रमुख होता
 - A. प्रोजेस्टेरोन

- B. एस्त्रोजन
- C. ऑक्सीटोसिन
- D. रिलैक्सिन

(B)

व्याख्या: पुटकीय प्रावस्था में एस्त्रोजन का स्रवण बढ़ता है, जो गर्भाशय की आंतरिक परत को पुनर्निर्मित करता है।

- 10. आर्तव चक्र के दौरान व्यक्तिगत स्वच्छता के लिए कौन-सी
 - किया आवश्यक है?
 - A. नेपकिन बार-बार बदलना
 - B. ठंडे पानी से न नहाना
 - C. व्यायाम न करना
 - D. दवाइयाँ लेना

व्याख्या: आर्तव काल में हर 4-5 घंटे में सैनिटरी नेपकिन या कपडे बदलना स्वच्छता और संक्रमण से बचाव के लिए आवश्यक है।